दो पुस्तकों का हुआ विमोचन- केदार शोध पीठ, बाँदा द्वारा कवि पवन करण को वर्ष 2011 का केदार सम्मान प्रदान करने के लिए हिंदुस्तानी एकेडेमी के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र था-दो पुस्तकों का विमोचन किया जाना भी।

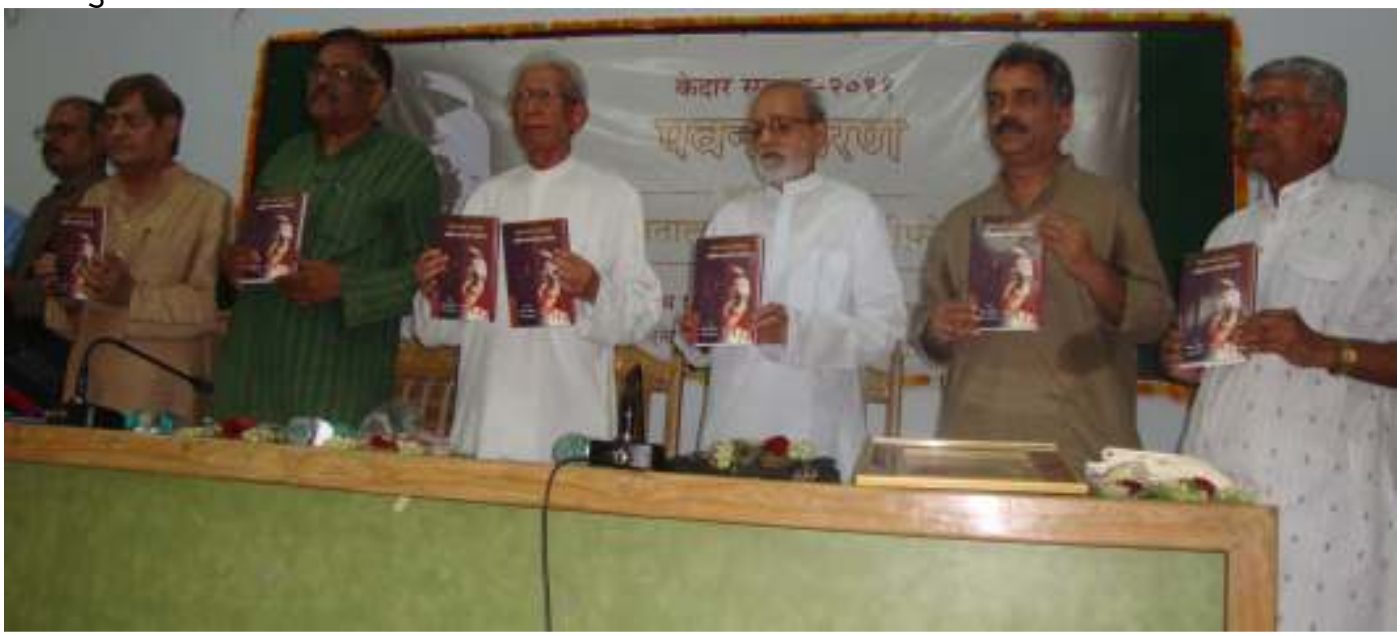

'केदारनाथ अग्रवाल कविता का लोक आलोक' पुस्तक का विमोचन करते हुए बाएं से भारत भारद्वाज, विभूति नारायण राय, नामवर सिंह, पवन करण व महेश कटारे।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो.नामवर सिंह, कुलपति विभूति नारायण राय, भारत भारद्वाज, पवन करण, महेश कटारे ने वर्धा विश्वविद्यालय के इलाहाबाद केंद्र के प्रभारी प्रो.संतोष भदौरिया व नरेन्द्र नुण्डरीक द्वारा छठवें दशक से लेकर शताब्दी वर्ष तक केदारनाथ अग्रवाल की कविताओं पर लिखे महत्वपूर्ण एवं विचारोत्तेजक लेखों की संपादित पुस्तक 'केदारनाथ अग्रवाल कविता का लोक आलोक' तथा नरेन्द्र पुण्डरीक की संपादित पुस्तक 'साहित्य सवर्ण या दलित' का विमोचन हुआ तो सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। 'केदारनाथ अग्रवाल कविता का लोक आलोक' पुस्तक में कुल तीस लेख संकलित हैं जिनमें प्रमुख रूप से रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, शमशेर बहादुर सिंह, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजेश जोशी, दूधनाथ सिंह, प्रभाकर माचवे, विष्णुचन्द्र शर्मा, नन्द किशोर नवल, शंभुनाथ, रविभूषण, वीरेन डंगवाल आदि के लेख शामिल हैं।

प्रस्तुति- अमित विश्वास
सहायक संपादक
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)
मो.09970244359